9/6/66 रात्रि क्लास :– विश्व की बादशाही तुमको मुठ में देते हैं। और कुछ भी नहीं करो। बाप को याद करो, जिससे वर्सा मिलना है और पवित्र रहो। जो कुछ देखते हो समझो, खतम हो जाना है। बाप तुमको बहुत सिंगारते हैं। इतना कोई का सिंगार नहीं होता। क्वीन भी उनकी भेंट में फकीरियाड़ी है। बाप तुमको कितना सहज युक्ति बताते हैं। बाप से तुम तमोप्रधान से सतोप्रधान बन सकते हो। मुट्ठी में विश्व की बादशाही। पूरी झोली भर देते हैं। कई–2 देह–अभिमानी होने कारण झोली जो भरते हैं वो छेद से बह जाता है। देही–अभिमानी रहो तो झोली भरी रहेगी। अथाह धन मिलता है सिर्फ बाप को याद करने से। बाप कहते हैं तुम आधा कल्प याद करते आए हो। हम अपना ठिक्कर–ठोबर आपको दे आपसे विश्व की बादशाही लेंगे। आप खज़ाना देते हैं 21 जन्मों के लिए। बाप कहते हैं आगे तुम दान करते थे तो दूसरे जन्म में एबजा मिलता था। अब बाप को डायरैक्ट इतनी थोड़ी मदद करो, सिर्फ यह हॉस्पिटल यूनिवर्सिटी खोलो तो बहुतों का कल्याण होगा। तुमको 21 जन्म लिए उजुरा मिल जावेगा। देखो मम्मा पैसा नहीं लायी थी। गरीब थी। अब यह लक्ष्मी बनती है। कोई खर्चा नहीं। बाप को याद करते आपसमान बनाने की सेवा करती थी। बच्चे जानते हैं शिवजयन्ती बाद स्वर्ग की स्थापना होती है। भारत ही है। अभी नर्क है। स्वर्ग बन रहा है। बाप कितना अच्छा वर्सा देते हैं। लौकिक बाप तो जहन्नुम भेज देते हैं। पुरुष कोई दान करते तो स्त्री को भी आधा मिल जाता है। स्त्री कुछ भी करती वो स्त्री का बन जाता। बाप का नहीं। चावल मुट्ठी से महल बन जाता। बाप का नाम ही है गरीब निवाज़। माताएँ बिल्कुल गरीब होती हैं। कन्याओं के ऊपर कुछ है नहीं। वो मम्मा जैसा पद पा सकते हैं। उनकी तकदीर अच्छी है अगर सर्विस में लग जाए तो। राजा बनना है तो प्रजा बनानी है। वारिस भी बनाना है अगर माला में परोना है तो। ड्रामा अनुसार हम साक्षी हो देखते रहते हैं। कल्प पहले जिसने जितनी मेहनत की है वो करेंगे ज़रूर। ड्रामा कराते हैं। बाकी वर्सा बहुत भारी मिलता है। बच्चों को बहुत खुशी रहनी चाहिए। गाया जाता है आत्मा परमात्मा अलग रहे... हिसाब है ना। सत्य नर से नारायण बनाने वाला है सतगुरु। बाकी सब हैं झूठे गुरु। यह सिद्ध कर बताया जाता है सत्गुरु एक है। सतगुरु अकाल... सिक्ख लोग कहते हैं। उस सतगुरु अकाल का यह तख्त है। (भृकुटि) आत्मा का तख्त है जिस पर बैठ पार्ट बजाती है। अकालमूर्त है। अभी इसने यह रथ लिया है। कहते हैं मुझे इनका आधार लेना है। जो आत्मा पहले नम्बर में थी वो ही अब लास्ट में है। इनमें प्रवेश करूँगा फिर यह पहले नम्बर में जावेगा। अच्छा, गुडनाइट। ओम।